

Youngster



YOUNGSTER • ESTABLISHED 2004 • NEW DELHI • MARCH 2019 • PAGES 8 • PRICE 1/- • MONTHLY BILINGUAL (HIN./ENG.)

धूमधाम से संपन्न हुआ सरस-2019



"सरस - 2019" में दीप प्रज्जवलन के दौरान शिक्षकगण

टेकिनया इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज द्वारा वार्षिक सांस्कृतिक कार्यक्रम सरस, 28 अप्रैल 2019 को धूमधाम से संपन्न हुआ। एनसीआर सहित दिल्ली के प्रमुख विश्वविद्यालयों और कॉलेजों के विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग कर अपने प्रतिभा का प्रदर्शन किया। सरस - 2019 के मुख्य आकर्षण सोलो डांस, फूटलूज (ग्रुप डांस), रंगोली, मोनो एक्टिंग, फाइन आर्ट्स, म्यूजिक, वर्ड प्ले, फेस ऑफ सरस, फैशन परेड, और जस्ट ए मिनट (हिंदी-अंग्रेजी) जैसे कुल 15 कार्यक्रम रहे। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 9 बजे मुख्य अतिथि डॉ. राम कैलाश गुप्ता, अध्यक्ष, टेकिनया समूह, डॉ. अजय कुमार, निदेशक, टेकिनया इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज, डॉ. ए के श्रीवास्तव, मुख्य कार्यकारी (शैक्षणिक एवं विकास) और मिस निवेदिता शर्मा, (संयोजिका सरस - 2019) के द्वारा सरस्वती वंदना व दीप प्रज्जवलन के साथ किया गया। कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत करते हुए डॉ राम कैलाश गुप्ता ने अपने अभिभाषण में छात्रों को कार्यक्रम की सफलता के लिए शुभकामना देते हुए उन्हें प्रेरित किया। इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित



प्रतिभा "सरस - 2019" अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए छात्र-छात्राएं गयों

को आह्वान किया कि वे देश व समाज के हित में रचनात्मक कार्य करें। संस्थान के डायरेक्टर डॉ. अजय कुमार ने कहा कि टेकिनया दिल्ली के विद्यार्थियों के अन्दर छिपी कला को मंच प्रदान करने का एक सुन्दर अवसर प्रदान करता है। डॉ. ए. के. श्रीवास्तव, सीईओ (शैक्षणिक एवं विकास) ने सरस - 2019 के

सफल आयोजन के लिए बधाई देते हुए कहा कि आप सभी की उपस्थिति इस कार्यक्रम की महत्त्व को परिभाषित कर रही है। इस मंच ने अनेक छात्र-छात्राओं को राष्ट्रीय फलक पर ले जाने का अवसर प्रदान किया है। कार्यक्रम के अंत में सरस-2019 की संयोजिका मिस निवेदिता शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए सभी के प्रति आभार प्रकट किया। इस अवसर पर टेकिनया ऑडिटोरियम प्रतिभागियों और विद्यार्थियों से पूरी तरह से भरा हुआ था। कार्यक्रम का संचालन हनी शाह, फैंकल्टी, पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग ने किया। इस मौके पर इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज के डॉ. अजय प्रताप सिंह, हेड, (आईक्यूएसी), डॉ. संदीप सिंह, डॉ. नमिता मिश्रा, डॉ. शम्भू शरण गुप्त, डॉ. रोहताश कुमार, डॉ. विशाल खत्री, डॉ. संजय कुमार श्रीवास्तव, डॉ. विपुल प्रताप और डॉ. वन्दना राघव, बालकृष्ण मिश्रा एवं शिक्षकगण और स्टाफ मौजूद रहे। कार्यक्रम में जजेज के रूप में आसिफ कमर, सिद्धार्थ, रिद्धिमा सेठी, दिव्यांश कम्बोज, कैलाश चंद्र और सना चंद्र मौजूद रहे।

-बाल कृष्ण मिश्रा

मेधावी विद्यार्थियों को सरला देवी स्कॉलरशिप से मिलेगी आर्थिक सहायता

देश के किसी भी राज्य में रहने वाले ऐसे विद्यार्थी जो होनहार हैं और साइंस, कॉमर्स, इंजीनियरिंग जैसे विषयों के साथ ग्रेजुएशन डिग्री करना चाहते हैं मगर आर्थिक मजबूरियों के चलते पढ़ाई जारी रख पाने में मुश्किलों का सामना कर रहे हैं। या फिर ऐसे युवा जो आर्थिक तंगी के चलते 10वीं के बाद शिक्षा जारी नहीं रख पाए और आजीविका के लिए व्यवसायिक कोर्स, डिप्लोमा मा जैसे एक वर्षीय या दो वर्षीय कोर्स कर रहे हों या ट्रेनिंग लेने के लिए आर्थिक मदद चाहते हों। ऐसे सभी 10वीं और 12वीं कक्षा पास विद्यार्थी जो किसी अन्य राज्य के मूल निवासी हैं मगर दिल्ली एनसीआर में रहकर अपनी पढ़ाई कर रहे हैं और जिन्होंने अपनी पिछली कक्षा में कम से कम 75 फीसदी अंक प्राप्त किए हों, वे विद्यार्थी धर्मपाल सत्यपाल चौरिटेबल ट्रस्ट द्वारा प्रदान की जा रही "सरला देवी स्कॉलरशिप 2019" योजना के लिए आवेदन के पात्र हैं। इसमें आवेदन के लिए तय योग्यताओं के दायरे में आप आ रहे हैं तो आवेदन कर लाभ प्राप्त कर सकते हैं, इस स्कॉलरशिप के लिए मानदंड इस प्रकार हैं

—साइंस डिग्री प्रोग्राम, कोर्स के लिए मानदंड:— किसी भी राज्य के डोमिसाइल स्टूडेंट्स जो दिल्ली एनसीआर में रहकर किसी रेप्यूटेड कॉलेज,

इंस्टीट्यूट या यूनिवर्सिटी में डिग्री प्रोग्राम के फर्स्ट ईयर में पढ़ रहे हों।

—स्टूडेंट ने पीसीबी, पीसीएम, पीसीएमबी स्ट्रीम के साथ कम से कम 75 प्रतिशत अंकों के साथ 12वीं पास की हो।

—स्टूडेंट अकेडमिक ईयर 2019-20 में एमबीबीएस, नर्सिंग या इंजीनियरिंग जैसे डिग्री प्रोग्राम के फर्स्ट ईयर में पढ़ रहे हों।

—विद्यार्थी की वार्षिक पारिवारिक आय 4.5 लाख रुपये से अधिक न हो।

आर्ट्स डिग्री प्रोग्राम, कोर्स के लिए मानदंड:—

—दिल्ली एनसीआर के किसी भी मान्यता प्राप्त कॉलेज, यूनिवर्सिटी, इंस्टीट्यूट से एलएलबी, मनोविज्ञान या मास कम्युनिकेशन डिग्री प्रोग्राम के फर्स्ट ईयर के स्टूडेंट्स आवेदन कर सकते हैं।

—स्टूडेंट ने आर्ट्स, साइंस या कॉमर्स में से किसी स्ट्रीम के साथ न्यूनतम 75 अंकों से 12वीं कक्षा पास की हो। कॉमर्स डिग्री प्रोग्राम, कोर्स के लिए मानदंड: स्टूडेंट ने साइंस, आर्ट्स या कॉमर्स विषय से न्यूनतम 80 अंकों के साथ 12वीं कक्षा पास की हो।

—स्टूडेंट जो दिल्ली एनसीआर में रहकर किसी भी मान्यता प्राप्त संस्थान, इंस्टीट्यूट या किसी कोचिंग सेंटर से सीए-सीएस कोर्स की पढ़ाई कर रहे हों और उन्होंने फाउंडेशन लेवल क्लीयर कर लिया हो। व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के लिए योग्यता

— 10वीं के बाद ज़ूपआउट (शिक्षा छोड़ चुके) विद्यार्थी जो दिल्ली एनसीआर के किसी मान्यता प्राप्त संस्थानों से व्यावसायिक पाठ्यक्रम जैसे— मैकेनिक, इलेक्ट्रीशियन, प्लंबर, मिस्त्री, कारपेंटर, माली या फिर टेलरिंग जैसी व्यवसायिक ट्रेनिंग ले रहे हों या लेने के इच्छुक हों।

अन्य मानदंड

— प्रत्येक कोर्स के लिए दिए गए सभी मानदंडों में योग्य होने के अलावा विद्यार्थी की पारिवारिक वार्षिक आय 4.5 लाख से ज्यादा नहीं होनी चाहिए।

लाभ-ईनाम

— साइंस डिग्री प्रोग्राम, कोर्स के विद्यार्थियों को 75,000 रुपये प्राप्त होंगे।

— कॉमर्स (सीए, सीएस) के विद्यार्थियों को 25,000 रुपये मिलेंगे।

— आर्ट्स डिग्री प्रोग्राम के स्टूडेंट्स को 20,000 रुपये की राशि मिलेगी।

— वोकेशनल कोर्स के लिए उम्मीदवार को 15,000 रुपये दिए जाएंगे।

अंतिम तिथि

31 मार्च 2019 तक आवेदन किया जा सकता है। महत्त्वपूर्ण दस्तावेज की सूची इस स्कॉलरशिप स्कीम के लिए आवेदन के साथ स्टूडेंट्स को निम्नलिखित दस्तावेजों (डोक्यूमेंट्स) उपलब्ध करवाने होंगे।

— पासपोर्ट साइज फोटोग्राफ

— पिछली क्लास की मार्कशीट्स

— इनकम सर्टीफिकेट

— इंस्टीट्यूट, कॉलेज एडमिशन लेटर

— आईडेंटिटी प्रूफ या आधार कार्ड

अधिक जानकारी के लिए आप हमारी वेबसाइट पर जाकर प्रक्रिया फॉलो कर सकते हैं।

<https://www-buddy4study-com/scholarship/sarla&devi&scholarship&2019>

छात्रवृत्ति

अधिकारों के प्रति श्रद्धा राजग हैं लेकिन नियमों का पालन कोई नहीं करना चाहता



संपादक की कलम से

राष्ट्रीय भावना को जगाने वाले त्यौहारों के आगमन से पूर्व हमारे दिलों में स्वाभाविक तौर पर देश भाव का प्रकटीकरण होने लगता है। जरा याद कीजिए अपने बचपन के दिनों को, प्राथमिक शिक्षा ग्रहण करते समय इन राष्ट्रीय त्यौहारों पर भावनाओं का जिस प्रकार से ज्वार उमड़ता था, वह बाल मन के हृदय पर अंकित राष्ट्रीय भावों की लहरनुमा अभिव्यक्ति ही थी। वर्तमान में हम देखते हैं कि हमारे राष्ट्रीय पर्व केवल एक दिन के त्यौहार बनकर रह गए हैं। अब कहीं भी न तो वैसे नारे लगते दिखाई देते हैं और न ही राष्ट्र के प्रति उमड़ने वाला ज्वार ही दिखाई देता है। आज हम सभी कहीं न कहीं नियमों की अवहेलना करने की ओर बढ़ते जा रहे हैं। संवैधानिक नियमों का पालन करना हर राष्ट्र का प्राथमिक कर्तव्य होता है और यह होना भी चाहिए। जो भी राष्ट्र या व्यक्ति नियमों की परिधि में चलता है, वह राष्ट्र स्वाभाविक तौर पर मजबूत राष्ट्र की श्रेणी में ही गिना जाता है, लेकिन जहां भी राष्ट्रीय संवैधानिक शक्तियों का दुरुपयोग करने का खेल खेला जाता है, वह अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मारने जैसा ही कृत्य करने की ओर प्रवृत्त होता है। हमारे देश में संवैधानिक परिधियों का अपने-अपने हिसाब से लाभ लेने का प्रयास किया जाता रहा है। जबकि यह नहीं होना चाहिए। ऐसे करके हम अपने देश के संविधान के प्रति अपनी जिम्मेदारियों से मुंह मोड़ने का काम ही करते हैं। सवाल यह है कि क्या ऐसा करके हम अपने जीवन की आदर्श आचार संहिता के साथ खिलवाड़ तो नहीं कर रहे हैं? अगर ऐसा है तो यह किसी भी दृष्टिकोण से ठीक नहीं है। जिस प्रकार से जीवन को चलाने के लिए एक दिनचर्या होती है, ठीक उसी प्रकार हमारे राष्ट्रीय कर्तव्य भी हैं। उसे भी एक बार जीना चाहिए, क्योंकि यह देश भी तो अपना ही है यह सर्वसम्मत सत्य है कि हमारी न्यायपालिका सत्य का अनुसंधान कर किसी परिणति पर पहुंचती है। फिर भी यह दिखाई देता है कि अनुकूल निर्णय को हम सहर्ष स्वीकार करने की मुद्रा में दिखाई देते हैं, लेकिन अगर किसी कारण से न्यायालय का निर्णय प्रतिकूल आता है तो हम न्यायालय के निर्णय को भी शंका की दृष्टि से देखने लगते हैं। कभी कभी तो न्यायालय के निर्णयों को राजनीतिक लाभ हानि के दृष्टिकोण से भी देखा जाता है। हमें याद ही होगा वह प्रकरण जब इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने शाहबानो के तलाक मामले में अभूतपूर्व निर्णय सुनाते हुए न्याय दिला दिया। शाहबानो न्यायालय से विजयी हो गईं, लेकिन राजनीतिक सत्ता ने एक बार फिर उसे पराजित कर दिया। इसमें यही कहा गया कि उस समय की केन्द्र सरकार मुस्लिम कट्टरपंथियों के सामने हार गई। सरकार द्वारा न्यायालय के निर्णय को बदल देने के इस कार्य को पूरी तरह से राजनीतिक दृष्टि से देखा गया। सरकार ने एक वर्ग को प्रसन्न करने के लिए न्यायालय के निर्णय को ही बदल दिया। इससे यह स्पष्ट संकेत मिलता है कि सरकारों ने अपने ही संविधान की शक्तियों का दुरुपयोग करते हुए राजनीतिक लाभ लिया।

इसी प्रकार तीन तलाक वाले मामले को भी राजनीतिक हितों से देखा जा रहा है, जबकि यह निर्णय महिला उत्पीड़न को समाप्त करने की दिशा में उठाया गया एक सकारात्मक कदम ही है। आज हम सभी संविधान की रक्षा करने की कसम तो खाते हैं, लेकिन हम अपना विचार करें कि क्या हम वास्तव में नियमों का पूरी तरह से पालन करते दिखाई देते हैं? हम मर्यादाओं को तोड़ने के लिए कदम क्यों बढ़ा रहे हैं? जब हम छोटे से नियम का पालन करने के लिए तैयार नहीं हैं तो फिर बड़े नियम के पालन की अपेक्षा कैसे की जा सकती है। हमने देखा ही होगा कि केन्द्र सरकार स्वच्छ भारत अभियान चलाने के लिए तमाम प्रकार के नियम बना रही है, इतना ही नहीं इस अभियान को सफलता पूर्वक संचालित करने के लिए पूरा जोर भी लगा रही है, लेकिन हमारा समाज कहीं न कहीं इस अभियान को ही धता बताने का काम कर रहा है। इसी प्रकार यातायात के नियमों का पालन करने के लिए हर चौराहे पर यातायात पुलिस कर्मी खड़े रहते हैं, लेकिन हम जागरूक होते हुए भी इन नियमों का स्वयं पालन करने के लिए पहल नहीं करते। इसका मतलब यह भी है कि हमारे पीछे कोई डंडा लेकर खड़ा हो जाए तो ही हम कुछ पालन करने की मुद्रा में आते हैं। यह विवंगति नहीं तो क्या है कि हमें पालन कराने वाला भी कोई होना चाहिए। हमें यह भी ज्ञात होगा कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर राष्ट्रीय मर्यादाओं को भी चकनाचूर किया जाता है। भारत के मानबिन्दुओं के शाश्वत नियमों को तोड़ने का काम किया जाता है। अभी हाल ही में सबरीमाला प्रकरण में सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय के बाद महिलाओं में मंदिर में प्रवेश करने के लिए मंदिर के नियमों को तोड़ने का दुस्साहस किया। हालांकि न्यायालय ने ही ऐसा करने के लिए प्रवृत्त किया था, लेकिन कुछ धार्मिक मान्यताएं भी होती हैं और उन मान्यताओं का पालन करना समाज की जिम्मेदारी भी है, लेकिन जब कोई नियम तोड़ने का निर्णय आता है तो हमारी सक्रियता बढ़ जाती है। बड़ा सवाल यह है कि ऐसी सक्रियता नियम का पालन करने के लिए क्यों नहीं होती। गणतंत्र दिवस हमारा राष्ट्रीय त्यौहार है। यह त्यौहार हमें संवैधानिक नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित करता है। लेकिन वर्तमान समय में यह प्रेरणा कहीं लुप्त होती दिखाई दे रही है। हमें यह भी याद नहीं है कि हमारे राष्ट्रीय कर्तव्य क्या हैं? सबसे पहले यहां यह बताना बहुत ही आवश्यक लग रहा है कि हमारे राष्ट्रीय कर्तव्यों में वे सभी चीजें आती हैं जो इस राष्ट्र को सामर्थ्यवान बनाने के लिए आवश्यक हैं।

टेक्निया इंस्टिट्यूट ग्राफ एडवांस्ड स्टडीज में रोटरी ब्लड बैंक व माई स्टोरी के सहयोग से रक्तदान शिविर का आयोजन



रोटरी बैंक के सदस्य को सम्मानित करते हुए डा. अजय कुमार, डायरेक्टर टायस



रक्त दान करती हुई छात्रा

टेक्निया इंस्टिट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज के "एनएसएस यूनिट" व रोटरी ब्लड बैंक और माई स्टोरी के समन्वय से 13 मार्च 2019 को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसमें संस्था के समस्त छात्र-छात्राओं के अतिरिक्त अध्यापक गणों ने भी अपना सहयोग दिया। शिविर में छात्रों ने 74 यूनिट रक्त दान किया। शिविर के इंचार्ज डॉ. आतिफ तारिक ने कहा कि समय-समय पर राजधानी के अलग अलग स्थानों पर लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से रक्त दान शिविर लगाया जाता है ताकि भविष्य में जरूरतमंदों को इसका लाभ मिल सके। टेक्निया ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूट्स के चेयरमैन डॉ. राम कैलाश गुप्ता ने कहा कि रक्तदान से शरीर पर किसी भी प्रकार का प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ता है। एक स्वस्थ व्यक्ति को तीन महीने में एक बार रक्तदान करना चाहिए। एक व्यक्ति का दान किया गया रक्त चार

व्यक्तियों की जान बचा सकता है। संस्थान के निदेशक डॉ. अजय कुमार ने कहा कि हम सभी को रक्त दान करना चाहिए क्योंकि इसके द्वारा हम रक्त की कमी से जाने वाली जिंदगी को बचा पाएंगे। डॉ. अजय कुमार ने इस आयोजन की प्रशंसा करते हुए विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया और बताया कि सामाजिक एवं नैतिक कर्तव्यों के निर्वहन के उद्देश्य से इस रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया था।

डॉ. ए. के. श्रीवास्तव (मुख्य कार्यकारी (शैक्षणिक एवं विकास)) ने कहा कि अट्टारह से पैंसठ वर्ष के लोग यदि अपने जीवन काल में कम से कम 25 बार रक्तदान करेंगे तो वे 500 लोगों के जीवन को बचा सकते हैं। रक्तदान शिविर के दौरान सभी शिक्षकगण और विद्यार्थी मौजूद रहे

-मुस्कान

TIAS Eco Club -

"Measures to control air pollution" Campaign

Air pollution can be defined as the presence of toxic chemicals or compounds (including those of biological origin) in the air, at levels that pose a health risk. In an even broader sense, air pollution means the presence of chemicals or compounds in the air which are usually not present and which lower the quality of the air or cause detrimental changes to the quality of life (such as the damaging of the ozone layer or causing global warming). To fight with these problems and spreading awareness about the same, Tecnia Eco club spearheads the campaign on "Measures to control Air pollution" through posters involving the students of TECNIA Institute of advanced studies, on 28/02/2019 at

10:00 am in Institute campus and spreading the message of a health impacts of air pollution and to make people aware of the hazardous consequences of air pollution. The Eco Club members along with students, TIAS visited to Director office, library, IQAC, MBA, BBA, BJMC and MCA departments to sensitize the issue of air pollution and create the awareness regarding measures to control air pollution.

Muskan

होली समारोह



Students & faculty members of TIAS during campaign



बुरा ना मानो होली है

होली...

फालगुन का महीना,
वो मस्ती के गीत,
कोई भरे पिचकारी

कोई झूमे भ्रगं के नशों में
रंगों का मेला, वो नटखट सा खेल,
दिल से निकलती है ये प्यारी सी बोली,

मुबारक हो आपको ये रंग भरी होली
होली के दिन ये मुलाकात याद रहेगी
रंगों की ये बरसात याद रहेगी

आपको मिले रंगीन दुनिया ऐसी
हमेशा ये मेरी दुआ रहेगी
सभी रंगों का रास है होली

मन का उल्लास है होली
जीवन में खुशियाँ भर देती है
बस इस्मिपु खास है होली

Seminar on “Influencer Marketing”

Tecnia institute of advanced studies organized a Seminar on “Influencer Marketing” to provide a platform for students to understand why companies should use influencer marketing as a marketing tool and to know the process and techniques of creating an influencer marketing campaign to gain customers on 7th March, 2019. Mr. Ankit Kashyap, Trainer and Expert in Influencer marketing has taken a detailed session on the influencer marketing.

He explained students that the influencer marketing is the emerging trend in the promotion mix by the marketers. He describe students about earned and paid media in context of influencer marketing. He further told students about why a brand need influencer to increase its brand equity in to the market and what is the right approach and technique to find the right influencer for the right brand. He explained students about 4M's

of influencer marketing which can be termed as make, manage, monitor and measure. He further told students about the techniques of measuring the success of influencer marketing campaigns. In the last he has also throw light on the difference between ethical and non-ethical influencer marketing. Students has learned about the earned and paid media in context of influencer marketing. Mr. Ankit explained to the students that influencer marketing can be both earned and paid, depending on how well executed and well coordinated the owned and paid media. It's called earned media when a brand gets free media and the customers become the channel, rather than having to pay for it. He told students that every brand need a influencer as consumers more likely trust recommendations from a third party (ex. a blogger or Instagrammer) rather than a brand itself. The Influencer can be thought of as a

friend connecting a brand with their target consumers. The influencer does not only bring their own followers, but they also bring the followers network. When an influencer has loyal followers they can also drive traffic to the company's website, increase social media exposure and sell the company's product through their recommendation or story about their experience with the company's product/service. He has also explained to the

they are in the purchase lifecycle at the moment. Once a company knows who their new influencer is for their target customer, they need to move into the *managing stage*. Like any other marketing tactic, influencer marketing needs to be managed from before the campaign starts to after the campaign ends, and beyond, to truly succeed. The next stage is where the brand is Monitoring influencer campaigns. When monitoring the



FELICITATION OF MR. ANKIT KASHYAP AND HIS TEAM MEMBER BY MBA HOD DR. ARUN BHATIA AND CONVENER MR. RAHUL TRIPATHI

students about right approach for selecting the right influencer for the brand. When choosing the right influencers for a brand, there are qualities that the influencers should have. To these include knowing the product/service and have genuine interest in it, being an expert and opinion leader in his/her field, having the right target audience for the company, knowing how to produce suitable content, like stories, videos, pictures and social media posts, understanding marketing and being interested in commercial cooperation, having a sufficient number of committed followers in the relevant social media channels, having good cooperation skills and understanding the value of his/her work. He has further explained the 4 M's of influencer marketing to the students. Starting with the word *make*, the customer should be placed at the centre of your influence marketing efforts that companies can build profiles based on where

efforts of an influencer marketing campaign the brand needs to focus on results and not efforts, because it allows for a much more structured framework to accomplish 26 goals and meet targets. The last stage of the four M's is the *measure* stage, and the final piece of the equation of the four M's model.

For being able to replicate the success of a campaign in future campaigns, the brand need to measure why it happened and who created it. In the end he discussed about the ethical and non-ethical influencer marketing. According to the FTC's guidelines Influencers must clearly disclose any content that they are posting as a part of a sponsored campaign, whether it's a product review, a testimonial or an unboxing video, they must do so in close proximity to the content itself. Links to disclosure should be properly formatted and labelled clearly as disclosure link. If it's for example an Instagram post and the space is constrained, clear hashtags should be available, like #ad, #sponsored, etc. Consumers may not be looking for, or expecting to find disclosures, but the advertiser is responsible for ensuring that the message is truthful and not deceptive.

Rahul Tripathi

SLUM SUPPORT PROGRAMME

Nukkad Natak (Women Empowerment & Terrorism)

'11 Mar 2019' Tecnia Institute of Advanced Studies in association with MY STORY organized slum support Programme in slum area on the Women Empowerment and drive to combat the terrorism at AU Block Ekta Camp Pitampura Madipur Badli, Rohini. Students from BJMC & BBA department have participated and coordinated for the same in order to generate awareness among

the people residing in slum area.

Student s of BJMC Rohan Sharma, Akansh

a Shrivastava ,Jaisheel Sachdeva, Shivam, Disha, Tushar Malhotra, Gourav Sethi & Arbaz participated in Nukkad Natak. The idea of Nukkad Natak is to generate awareness among girls and parents in slum areas and also investing in youth to counter terrorism in order to spread message among slum dwellers of the hazardous impact of terrorism through social media. A street play or “Nukkad Natak”, is characterized by highly enthusiastic and energetic performance so as to attract maximum crowd.” It helped the slum dwellers to understand about the women empowerment and how to combat the terrorism. It also educated people the need to improve the standards of urban poor in our society.



Students Performing Nukkad-Natak

Rishi Luhia

IMPORTANT QUOTES

"It is better to have a permanent income than to be fascinating."

- Oscar Wilde

...

"There is no sincerer love than the love of food."

- George Bernard Shaw

...

"Anything that is too stupid to be spoken is sung."

- Voltaire

...

"No Sane man will dance."

- Cicero

...

"Hell is a half-filled auditorium."

- Robert Frost

...

"Vote early and vote often."

- Al Capone

...

"Happiness is good health and a bad memory."

- Ingrid Bergman

Bergman

...

Compilation:
Priya Kumari

WINNERS v/s LOOSERS Part-90

The Winner says, "Let me do it for you";

the Loser says, "That's not my job."

...

Winners stand firm on values

but compromise on petty things;

losers stand firm on petty things but compromise on values.

...

A Winner stops talking when he has made his point. A

Loser goes on until he has blunted his point

...

Winners say, "I must do something";

losers say, "Something must be done."

...

A Winner in the end gives more than he takes. A Loser dies clinging to the illusion that winning means taking more than you give.

To Be Continued In Next Issue-

Compilation:
Rahul Mittal

All Students and Faculty are welcome to give any Article, Feature & Write-up along with their Views & Feedback at: youngstertias@gmail.com